RNI Regn. No. UTTHIN/2008/28646

सीएम धामी ने किया मुख्य सेवक संवाद के तहत ''गाँव से ग्लोबल तक होम स्टे'' संवाद।

हिन्दी साप्ताहिक

हर्षिता टाइम्स

• वर्ष : 17 • अंक : 17 • देहरादून • वृहस्पतिवार 24 अप्रैल, 2025 • मूल्य : 1 रुपये • वार्षिक : 50 रुपये • पृष्ट : 4

मुख्यमंत्री धामी ने डीजीएफएस डिस्क मेडल विजेता दो अग्निशमन कर्मियों को किया सम्मानित

30 जून 2025 से प्रारंभ होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से इस वर्ष 30 जून से कैलाश मानसरोवर यात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा का संचालन उत्तराखण्ड सरकार एवं विदेश मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा से कैलाश मानसरोवर यात्रा की राह आसान हुयी है

जनपद पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास से प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा कोविड-19 संक्रमण के दृष्टिगत वर्ष 2020 से संचालित नहीं हुई है, परन्तु इस वर्ष पीएम मोदी एवं मुख्यमंत्री धामी के विशेष प्रयासों से उत्तराखण्ड सरकार एवं भारतीय विदेश मंत्रालय के तत्वाधान में कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

इस वर्ष आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 के सम्बन्ध में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में आयोजित बैठक में कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 के सकुशल संचालन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 का संचालन कुमाऊँ मण्डल विकास निगम द्वारा किया जाएगा। यह यात्रा दिल्ली से प्रारम्भ होकर पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित की जायेगी। यात्रा दिनांक 30 जून, 2025 से प्रारम्भ होगी, जिसमें 50-50 व्यक्तियों के कुल 05 दलों (कुल 250 व्यक्तियों) द्वारा

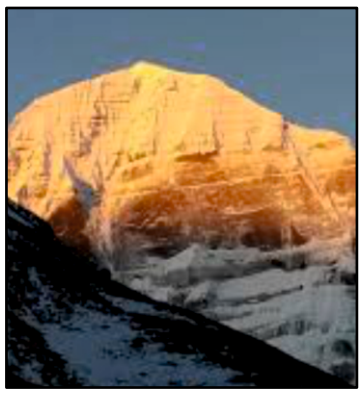

यात्रा की जायेगी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाला प्रथम दल 10 जुलाई, 2025 को लिपुलेख पास से होते हुए चीन में प्रवेश करेगा तथा अन्तिम यात्रा दल 22 अगस्त, 2025 को चीन से भारत के लिए प्रस्थान करेगा। प्रत्येक दल दिल्ली से प्रस्थान कर टनकपुर में 01 रात्रि, धारचूला में 01 रात्रि, गुंजी में 02 रात्रि तथा नाभीढांग में 02 रात्रि रुकने के बाद (तकलाकोट) चीन में प्रवेश करेगा। कैलाश दर्शन के उपरान्त वापसी में चीन से प्रस्थान कर स्थान बूंदी में 01 रात्रि, चौकोड़ी में 01 रात्रि, अल्मोड़ा में 01 रात्रि रुकने के बाद दिल्ली पहुँचेगा। इस प्रकार यात्रा के दौरान प्रत्येक दल द्वारा कुल 22 दिनों की यात्रा की जायेगी।

यात्रा करने वाले सभी यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण सर्वप्रथम दिल्ली में किया जायेगा तथा गुंजी (पिथौरागढ़) पहुंचने पर आई. टी. बी. पी. के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा।

आयुक्त गढवाल ने की चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक में ऑनलाइन पंजीकरण की सीमा 15 प्रतिशत बढाये जाने के दिये निर्देश

देहरादून। आयुक्त गढवाल विनय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता मे चारधाम यात्रा की तैयारी को लेकर जनपद उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग एवं चमोली के होटल व्यवसायियों महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ ही यात्रा के सफल संचालन हेतु होटल व्यवसायियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया।

देहरादून स्थित आयुक्त कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में होटल व्यवसायियों ने चारधाम यात्रा को लेकर अपनी-अपनी समस्यायें एवं सुझाव आयुक्त गढ़वाल के समक्ष रखते हुए मुख्य रूप से ऑनलाईन पंजीकरण की सीमा को बढाए जाने का आग्रह किया गया। इस पर आयुक्त ने अवगत कराया कि गत 5 फरवरी को आयोजित बैठक में सभी हितधारकों की मांग के अनुरूप इस वर्ष चारधाम यात्रा के लिए 60 प्रतिशत आनॅलाईन और 40 प्रतिशत ऑफलाईन पंजीकरण की सीमा तय की गयी थी। इस संबंध में विचार-विमर्श के बाद जनपदों के जिला पर्यटन अधिकारियों के सुझाव और होटल व्यवसायियो के आग्रह पर पूर्व के निर्णय में आंशिक परिर्वतन करते हुए अब ऑनलाईन पंजीकरण की सीमा को 15 प्रतिशत बढ़ा कर 75 प्रतिशत करने के निर्देश आयुक्त गढ़वाल द्वारा दिये गए। इस पर सभी होटल व्यवसायियों ने सहमति के साथ प्रसन्नता व्यक्त की।

चारधाम यात्रा में श्रद्वालुओं की भीड को देखते हुए होटल व्यवसायियों की मांग थी कि प्रत्येक धाम हेतु चारधाम यात्रा मार्गो पर एक-एक पंजीकरण के काउण्टर स्थापित जाये। विचार विमर्श के बाद आयुक्त गढ़वाल द्वारा ने होटल व्यवसायियो की इस मांग को भी स्वीकार किया और चारधाम यात्रा मार्गो पर कुछ और पंजीकरण केन्द्रों को खोलने के निर्देश दिये जिसमें बद्रीनाथ धाम हेतु गौचर में, गंगोत्री धाम हेतु हीना व उत्तरकाशी में, यमुनोत्री धाम हेतु दोबाटा व डामटा में तथा केदारनाथ धाम हेतु गुप्तकाशी स्थित जीएमवीएन गेस्ट हाउस में पंजीकरण काउण्टर खोले जाने हेतु सहमति दी गयी।

आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डे ने सभी होटल व्यवसायियो से चारधाम यात्रा के बेहतर संचालन में प्रशासन का सहयोग करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुखद बनाने के लिए सभी हितधारकों को सम्मिलित प्रयास करने होंगे।

होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता ने आयुक्त गढवाल मण्डल को ज्ञापन भी भेंट कर होटल व्यवसायियों द्वारा सरकार एवं प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में उपस्थित होटल व्यासायियों ने आगामी यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने का आश्वासन दिया तथा सुझावों को अमल में लाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

समीक्षा बैठक में पुलिस महानिरीक्षक गढवाल राजीव स्वरूप, अपर आयुक्त उत्तम सिंह चौहान, एडीएम उत्तरकाशी पी. एल. शाह, एडीएम रूद्रप्रयाग एस.एस. राणा, उप जिलाधिकारी पोखरी अबरार अहमद, जिला पर्यटन अधिकारी देहरादून सीमा नौटियाल, जिला पर्यटन अधिकारी चमोली राहुल चौबे, जिला पर्यटन अधिकारी उत्तरकाशी कमल किशोर जोशी, विशेषकार्याधिकारी चारधाम यात्रा प्रबन्धन एवं नियंत्रण संगठन ऋषिकेश प्रजापति नौटियाल, अध्यक्ष श्री केदार धाम होटल एसोसिएशन प्रेमदत्त गोस्वामी सहित जनपद उत्तरकाशी से 12 सदस्य रूद्रप्रयाग से 11 एवं चमोली से 06 होटल व्यवसायी उपस्थित रहे।

ग्राम स्तर तक योग अभियान चलाया जाए- मुख्यमंत्री

देहरादून। ग्राम स्तर तक योग अभियान चलाया जाए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में विशेष योग शिविरों का आयोजन किया जाए। योग पर निबंध, भाषण, पोस्टर और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाय। योग और आयुष मेले के आयोजन के साथ ही हरित योग के कार्यक्रम भी किए जाएं। डिजिटल माध्यम से भी योग को प्रचारित किया जाए योग के क्षेत्र में जन जागरूकता लाने वालों को सम्मानित भी किया जाय। योग से साथ जनसहभागिता से नियमित स्वच्छता अभियान भी चलाया जाए। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ये निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग न केवल हमारी प्राचीन परंपरा है, बल्कि यह आज की जीवनशैली में संतुलन और स्वास्थ्य का प्रभावी माध्यम भी है। हमें युवाओं, विद्यार्थियों, सरकारी कर्मचारियों और

आम जनता को इस आयोजन से जोड़ना होगा। योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम भव्य, व्यवस्थित और जन-सहभागिता से किए जाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, योग की पवित्र भूमि है, और यहां से पूरे विश्व को योग का संदेश गया है, इसलिए यहां के कार्यक्रमों की एक विशेष पहचान होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति को अधिकतम योग से जोड़ा जाय। योग और ध्यान के साथ ही वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जाए। जनपदों में योग और आयुष मेले आयोजित किए जाएं। योग को रोजगार से भी जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि और योग भूमि के रूप में उत्तराखंड की वैश्विक स्तर पर अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि योग का आध्यात्मिक रूप से भी प्रस्तुत किया जाए। राज्य के प्रमुख दैवीय स्थलों और पर्वतीय क्षेत्रों में भी बड़े स्तर पर योग के कार्यक्रम किए जाएं। मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग, शिक्षा विभाग, युवा कल्याण विभाग, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सूचना विभाग एवं जिला प्रशासन को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, सचिन कुर्वे, एडीजी ए. पी. अंशुमन, अपर सचिव विजय जोगदंडे और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

मतदाता सूची को लेकर दावे/आपत्ति के सम्बंध में नहीं प्राप्त हुई एक भी अपील

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य में 1 जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची को लेकर दावे/आपत्ति के सम्बंध में एक भी अपील प्राप्त नहीं हुई है। आयोग द्वारा निहित प्रावधानों के अनुसार कोई भी प्रभावित व्यक्ति दावे एवं आपत्तियों के सम्बंध में प्रथम अपील विधिवत रुप से सम्बधित जनपद के जिला मजिस्ट्रेट/अपर जिला मजिस्ट्रेट/कार्यपालक मजिस्ट्रेट अथवा जिला कलेक्टर से कर सकते हैं। द्वितीय अपील मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में कर सकते हैं। समस्त जनपदों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के किसी भी जनपद में मतदाता सूची को लेकर दावे/आपत्तियों सम्बंध में एक भी अपील प्राप्त नहीं हुई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि आयोग से प्राप्त दिशा- निर्देशों के क्रम में प्रदेश में सभी राजनैतिक दलों के साथ बैठक की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त राजनैतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करने का भी आग्रह किया गया।

कोई भी नागरिक जो, 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहा है वह फॉर्म 6

भरकर मतदाता सूची में अपने नाम दर्ज करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ फार्म 7 के द्वारा मतदाता सूची में अन्य व्यक्ति का नाम सम्मिलित करने का आक्षेप/अपना या अन्य व्यक्तियों का नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

फार्म 8 द्वारा विद्यमान मतदाता सूची में प्रविष्टियों में सुधार तथा निवास स्थानातरण आदि हेतु आवेदन किया जा सकता है। फार्म 6,7,8 बीएलओ, ईआरओ कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि ऑनलाइन माध्यम हेतु www-voters-eci-gov-in ,वोटर हेल्पलाइन ऐप पर आवेदन कर सकते हैं। किसी अन्य जानकारी हेतु मतदाता हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1950 से माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सम्पादकीय

कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 का शुभारंभ

मानव जीवन में कुछ यात्राएँ केवल गंतव्य तक पहुँचने की कवायद नहीं होतीं, वे आत्मा की तलाश, आस्था की अनुभूति और जीवन के गहरे अर्थ की खोज बन जाती हैं। ऐसी ही एक विलक्षण यात्रा है कैलाश मानसरोवर यात्रा। यह यात्रा सदियों से आध्यात्मिक साधकों, श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों के लिए आस्था, धैर्य और साहस का अद्भुत संगम रही है।

वर्ष 2025 की यह यात्रा विशेष इसलिए है क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण पिछले वर्षों से स्थगित यह तीर्थ यात्रा अब पुन: एक नवीन ऊर्जा और सरकारी प्रतिबद्धता के साथ आरंभ हो रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक परिश्रम और दूरदृष्टि, तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष प्रयासों ने इस यात्रा को साकार करने की दिशा में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। श्री मोदी की ऐतिहासिक आदि कैलाश यात्रा ने इस पवित्र मार्ग को सुगम ही नहीं, सुरक्षित भी बनाया है।

उत्तराखण्ड सरकार और विदेश मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित होने वाली यह यात्रा न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान है, बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और हिमालय की गोद में स्थित शाश्वत शांति के प्रतीक कैलाश पर्वत के प्रति श्रद्धा का प्रमाण भी है।

दिल्ली से प्रारंभ होकर पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास से होकर चीन की सीमा तक पहुंचने वाली यह यात्रा, कुमाऊँ मंडल विकास निगम की जिम्मेदारी में संचालित होगी। इस यात्रा में स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए, यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण की सशक्त व्यवस्था की गई है। यह केवल भौतिक सुरक्षा नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और दायित्वबोध का प्रतीक भी है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, यह एक आध्यात्मिक संदेश है। जो सिखाता है कि कठिनाइयों से घबराकर नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और संकल्प से हर शिखर पर पहुँचा जा सकता है। यह यात्रा हिमालय की गोद में स्थित उस स्थल तक ले जाती है, जिसे स्वयं शिव का धाम माना गया है, जहाँ पहुँचकर मनुष्य का हृदय आत्मिक शांति से भर उठता है।

उत्तराखण्ड और भारत के लिए यह यात्रा एक आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अवसर भी है। सीमावर्ती इलाकों के लिए यह यात्रा नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी और राज्य के पर्यटन क्षेत्र को सशक्त आधार प्रदान करेगी।

श्रद्धालुओं के हृदयों में फिर एक बार कैलाश बुला रहा है। यह केवल यात्रा नहीं, एक आध्यात्मिक पुकार है, जो हर आत्मा को अपने भीतर झाँकने और जीवन के सच्चे अर्थों से साक्षात्कार कराने के लिए आमंत्रित कर रही है।

चारधाम यात्रा : ऑनलाइन पंजीकरण की सीमा बढ़ी नए पंजीकरण केंद्रों की स्थापना को मिली मंजूरी

देहरादून। आयुक्त गढवाल विनय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में चारधाम यात्रा की तैयारी को लेकर जनपद उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग एवं चमोली के होटल व्यवसायियों महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ ही यात्रा के सफल संचालन हेतु होटल व्यवसायियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया।

देहरादून स्थित आयुक्त कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में होटल व्यवसायियों ने चारधाम यात्रा को लेकर अपनी-अपनी समस्यायें एवं सुझाव आयुक्त गढ़वाल के समक्ष रखते हुए मुख्य रूप से ऑनलाईन पंजीकरण की सीमा को बढाए जाने का आग्रह किया गया। इस पर आयुक्त ने अवगत कराया कि गत 5 फरवरी को आयोजित बैठक में सभी हितधारकों की मांग के अनुरूप इस वर्ष चारधाम यात्रा के लिए 60 प्रतिशत आनॅलाईन और 40 प्रतिशत ऑफलाईन पंजीकरण की सीमा तय की गयी थी।

इस संबंध में विचार-विमर्श के बाद जनपदों के जिला पर्यटन अधिकारियों के सुझाव और होटल व्यवसायियो के आग्रह पर पूर्व के निर्णय में आंशिक परिर्वतन करते हुए अब ऑनलाईन पंजीकरण की सीमा को 15 प्रतिशत बढ़ा कर 75 प्रतिशत करने के निर्देश आयुक्त गढ़वाल द्वारा दिये गए। इस पर सभी होटल व्यवसायियों ने सहमति के साथ प्रसन्नता व्यक्त की।

चारधाम यात्रा में श्रद्वालुओ की भीड को देखते हुए होटल व्यवसायियों की मांग थी कि प्रत्येक धाम हेतु चारधाम यात्रा मार्गो पर एक-एक पंजीकरण के काउण्टर स्थापित जाये। विचार विमर्श के बाद आयुक्त गढ़वाल द्वारा होटल व्यवसायियो की इस मांग को भी स्वीकार किया और चारधाम यात्रा मार्गो पर कुछ और पंजीकरण केन्द्रो को खोलने के निर्देश दिये जिसमें बद्रीनाथ धाम हेतु गौचर में, गंगोत्री धाम हेतु हीना व उत्तरकाशी में, यमुनोत्री धाम हेतु दोबाटा व डामटा में तथा केदारनाथ धाम हेतु गुप्तकाशी स्थित जी. एम.वी.एन. गेस्ट हाउस में पंजीकरण काउण्टर खोले जाने हेतु सहमति दी गयी।

आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डे ने सभी होटल व्यवसायियो से चारधाम यात्रा के बेहतर संचालन में प्रशासन का सहयोग करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुखद बनाने के लिए सभी हितधारकों को सम्मिलित प्रयास करने होंगे।

चारधाम होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता ने आयुक्त गढवाल मण्डल को ज्ञापन भी भेंट कर होटल व्यवसायियों द्वारा सरकार एवं प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में उपस्थित सभी होटल व्यासायियों ने आगामी यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने का आश्वासन दिया।

समीक्षा बैठक में पुलिस महानिरीक्षक गढवाल राजीव स्वरूप, अपर आयुक्त उत्तम सिंह चौहान, ए.डी.एम उत्तरकाशी पी. एल. शाह, ए.डी.एम रूद्रप्रयाग एस. एस. राणा, उप जिलाधिकारी पोखरी अबरार अहमद, जिला पर्यटन अधिकारी देहरादून सीमा नौटियाल, जिला पर्यटन अधिकारी चमोली राहुल चौबे, जिला पर्यटन अधिकारी उत्तरकाशी कमल किशोर जोशी, विशेषकार्याधिकारी चारधाम यात्रा प्रबन्धन एवं नियंत्रण संगठन ऋषिकेश प्रजापति नौटियाल, इथिक्स कम्पनी के गजेन्द्र चौहान, अध्यक्ष होटल एसोसिएशन उत्तरकाशी शैलेन्द्र सिंह मटूड़ा, अध्यक्ष यमुना घाटी होटल एसोसिएशन सोबन सिंह राणा, अध्यक्ष श्री केदार धाम होटल एसोसिएशन प्रेमदत्त गोस्वामी, अध्यक्ष होटल एसोसिएशन गंगोत्री अनिल नौटियाल सहित जनपद उत्तरकाशी से 12 सदस्य रूद्रप्रयाग से 11 एवं चमोली से 06 होटल व्यवसायी उेपस्थित रहे।

फिल्म निर्माण की बेस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा उत्तराखंड : बंशीधर तिवारी

देहरादून। फिल्म नीति 2024 के प्रावधानों के चलते बड़ी संख्या में फिल्म निर्माता उत्तराखंड का रुख कर रहे हैं। इससे जहां उन्हें कई तरह की सहूलियतें मिल रही है, वहीं अलग-अलग स्तरों पर सब्सिडी का लाभ भी मिल रहा है। आंचलिक फिल्मों के निर्माण और स्थानीय कलाकारों को शामिल करने पर अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। यही कारण है कि उत्तराखंड आज फिल्म निर्माण के बेस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है।

प्रेस क्लब में आयोजित 'प्रेस से मिलिये' कार्यक्रम में फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिन्दी और आठवीं अनुसूची की भाषाओं में बनने वाली फिल्मों के प्रोडक्शन पर राज्य में खर्च की गई धनराशि का अधिकतम 30 फीसदी या तीन करोड़ तक की सब्सिडी देने का प्रावधान है। गढ़वाली, कुमाऊंनी व जौनसारी फिल्मों में मिलने वाली सब्सिडी को 25 लाख से बढ़ाकर दो करोड़ तक किया गया है।

प्रदेश में शूट होने वाली बाल फिल्मों को 10 फीसदी तक अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था है। विदेशी और 50 करोड़ से अधिक बजट की फिल्मों पर राज्य में व्यय राशि का अधिकतम 30 फीसदी या तीन करोड़ तक की सब्सिडी दी जा रही है। इसके साथ ही राज्य शूट होने वाली वेब सीरीज, टीवी धारावाहिक को भी सब्सिडी का लाभ मिलेगा। डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म, ट्रैवलॉग, ब्लॉग व म्यूजिक वीडियो में भी सब्सिडी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में नई व कम प्रसिद्ध लोकेशन पर शूटिंग करने पर पांच फीसदी तक अतिरिक्त अनुदान देने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा स्थानीय कलाकारों व तकनीशियनों को शामिल करने पर फिल्म को 10 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि फिल्म नीति में देश के प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों से पढ़ाई करने वाले छात्रों को भी छात्रवृत्ति दी जा रही है। साथ ही फिल्म सिटी के निर्माण की भी योजना है।

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता हेमंत पांडेय ने बताया कि राज्य सरकार के प्रयासों से कई फिल्मों का निर्माण उत्तराखंड में हो रहा है। इससे यहां के स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों को भी फायदा मिलेगा। स्थानीय फिल्मों को बढ़ावा मिलेगा। प्रेस क्लब अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह कंडारी ने दोनों अतिथियों का आभार व्यक्त किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए।

कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र सिंह डसीला ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, संयुक्त मंत्री अभय सिंह कैन्तुरा, कोषाध्यक्ष अनिल चन्दोला, कार्यकारिणी सदस्य शूरवीर भंडारी, दीपक बड़थ्वाल, मनवर रावत, संदीप बड़ोला, मो. असद समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सुमिर का एशियन योगासन चौंपियनशिप के लिए चयन विश्वविद्यालय के प्रेजीडेंट ने शुभकामनाएं दीं

देहरादून। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योगिक साइंस एवं नेचुरोपैथी के बीएससी योगिक साइंस के छात्र सुमिर ज्ञवाली का आनेवाले द्वितीय एशियन योगासन चौंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। योगासन भारत द्वारा स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय हरियाणा सोनीपत में योगासन एशियन ट्रायल का आयोजन किया गया।

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के प्रजीडेंट श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज ने इस उपलब्धि के लिए छात्र सुमिर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि योग हर व्यक्ति की दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। स्वस्थ देशवासी एवं स्वस्थ शिक्षक ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. कुमुद सकलानी, प्रेजीडेंट के सलाहकार प्रो. जेपी पचौरी, कुलसचिव डॉ. लोकेश गंभीर, डीन यौगिक साइंस प्रो. कंचन जोशी ने भी सुमिर की उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

डीन प्रो. जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेलों के लिए लगातार चयन होने और हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन से उत्तराखण्ड में योगिक साइंस की शिक्षा के लिए श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय न केवल छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय योग के छात्रों का ध्यान भी विश्वविद्यालय ने तेजी से अपनी ओर खींचा है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय योग के छात्रों ने जिस तेजी से उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय में योग विषय में रूचि दिखाई है उससे उम्मीद है जल्दी ही अंतर्राष्ट्रीय छात्र भी बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेंगे।

चारधाम यात्रा के लिए स्वास्थ्य विभाग की तैयारी तेज डाक्टर्स और मेडिकल स्टाफ को दी जा रही विशेष ट्रेनिंग

प्रशिक्षण में शामिल प्रमुख बिंदु :

- एक्यूट माउंटेन सिकनेस
- हाई एल्टीट्यूड पल्मोनरी एडिमा एवं सेरेब्रल एडिमा
- सांस फूलने की स्थिति
- दौरे, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, उच्च रक्तचाप
- हृदय संबंधी आपात स्थिति और स्ट्रोक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के दिशा-निर्देशों में स्वास्थ्य विभाग चारधाम यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियों में जुटा है। विभाग श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डाक्टर्स और मेडिकल स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दे रहा है। अब तक श्रीनगर मेडिकल कॉलेज और दून मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के अंतर्गत डाक्टरों और मेडिकल टीम को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं, आपदाओं और सीमित संसाधनों में आपात चिकित्सा सेवाएं देने की तकनीकी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित मेडिकल टीम को जल्द ही यात्रा मार्गों और पड़ावों पर तैनात किया जाएगा।

डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि तीर्थयात्रियों को हाई एल्टीट्यूड पर सांस लेने में तकलीफ, ऑक्सीजन की कमी, रक्तचाप में उतार-चढ़ाव, पैरों में छाले और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि डॉक्टरों को इन परिस्थितियों में तुरंत उपचार शुरू करने का व्यावहारिक अनुभव हो।

स्वास्थ्य सचिव ने जानकारी दी कि श्रीनगर और दून मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए हैं, जहां मेडिकल ऑफिसर्स को चारधाम यात्रा रूट पर सेवा देने के लिए विशेष तैयारी कराई जा रही है।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि इन बीमारियों के सही समय पर निदान व इलाज से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षण में एयर एम्बुलेंस तक मरीज की सुरक्षित पहुंच, दवा प्रबंधन, समय पर रेफरल की प्रक्रिया आदि पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के स्किल सेंटर में चिकित्सा अधिकारियों के लिए पहला क्लिनिकल स्किल आधारित प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। इसमें पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में सेवाएं देने वाले मेडिकल ऑफिसर्स को उच्च हिमालयी क्षेत्रों की चुनौतियों और रोगों के निदान में दक्ष बनाया गया।

पांच महीनों में 253 किसानों ने किया ढाई करोड़ का कारोबार

देहरादून। उत्तराखंड के सीमांत जिलों में स्थित आईटीबीपी की बटालियनें अक्तूबर, 2024 तक मटन, चिकन, फिश सप्लाई के लिए बड़े शहरों पर निर्भर थीं। लेकिन अब उत्तराखंड पशुपालन विभाग ने आईटीबीपी का अनुबंध सीधे स्थानीय पशु पालकों से करा दिया है। इसके बाद शुरुआती पांच महीने में ही, चार सीमांत जिलों के 253 किसान आईटीबीपी के साथ 2.6 करोड़ का कारोबार कर चुके हैं। पशुपालन विभाग ने गत 30 अक्तूबर को इस योजना को लेकर आईटीबीपी के साथ विधिवित अनुबंध किया। इसके तहत पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी और चम्पावत जनपद के 10 सहकारी समितियों और एफपीओ से जुड़े 253 किसान आईटीबीपी की नजदीकी बटालियन को जिंदा मटन, चिकन, फिश की आपूर्ति कर रहे हैं। योजना के शुरुआती पांच महीने में ही ये किसान, आईटीबीपी को कुल मिलाकर 79,530 किलो (42,748 किलो जिंदा भेड़-बकरी, 29,407 किलो चिकन और 7,374 किलो ट्राउट फिश) की सप्लाई कर चुके हैं। इस तरह उन्होंने आईटीबीपी के साथ कुल 2.6 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है।

इस योजना के बेहद सकारात्मक परिणाम आए हैं, सीमांत के किसानों की आय बढ़ने से गांवों में पलायन भी कम होगा। साथ ही वो आईटीबीपी के साथ मिलकर, देश की रक्षा पंक्ति को मजबूत करने का काम करेंगे। आईटीबीपी को भी ताजा खाद्य सामग्री की आपूर्ति होगी।
पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

पशुपालन विभाग के सचिव डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि योजना के तहत किसानों को सप्लाई के 24 घंटे के भीतर, डीबीटी के जरिए भुगतान किया जा रहा है। इसके लिए विभाग ने पांच करोड़ रुपए के रिवाल्विंग फंड की व्यवस्था की हुई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत आईटीबीपी को सालाना 800 मीट्रिक टन मटन, चिकन, फिश सप्लाई की उम्मीद है, इससे किसानों का कुल करीब 20 करोड़ का कारोबार होगा। जो सीमांत किसानों की आजीविका में बड़ा बदलाव लाएगा।

पिथौरागढ़ जिले में मूनाकोट ब्लॉक के बड़ालू गांव के निवासी नरेंद्र प्रसाद भी जनवरी से आईटीबीपी को चिकन सप्लाई कर रहे हैं। 40 वर्षीय नरेंद्र प्रसाद बताते हैं कि उन्होंने 2022-23 में पशुपालन की कुक्कुट पालन योजना के तहत मुर्गी पालन का काम शुरू किया, अब वो प्रति माह करीब 16 कुंतल चिकन की सप्लाई करते हैं, जिससे आईटीबीपी को भी तीन कुंतल सप्लाई होती है। इसी तरह मूनाकोट ब्लॉक में ही देवदार गांव के निवासी प्रकाश कोहली भी जनवरी 2025 से आईटीबीपी को 11 कुंतल बकरी सप्लाई कर चुके हैं। जिससे उन्हें 50 हजार का फायदा हुआ है। योजना का फायदा देखते हुए अब वो गोट वैली में भी आवेदन कर रहे हैं।

फिल्म अभिनेत्री उदिता गोस्वामी की डीजे नाइट से गूंज उठा डीबीएस कैंपस

देहरादून। डीबीएस ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चार दिवसीय वार्षिक महोत्सव जेनेसिस-2025 के तीसरे दिन बॉलीवुड अभिनेत्री उदिता गोस्वामी ने सबको झुमा दिया। इस दौरान उन्होंने गरज बरस और इंतजार गाने की डीजे की धुनों पर सबको थिरका दिया।

वार्षिक महोत्सव का तीसरा दिन उत्साह और ऊर्जा से भरा रहा। यह दिन न केवल प्रतियोगिताओं का संगम बना, बल्कि सहयोग, प्रतिस्पर्धा और रचनात्मकता का भी अद्भुत उदाहरण पेश किया। यहां खेल गतिविधियों के फाइनल मुकाबले जैसे कि फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस और 8-बॉल पूल चलते रहे।

खिलाड़ियों ने पूरे जोश और प्रतिबद्धता के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान फुटबॉल में डीजीयू प्रथम, डॉल्फिन द्वितीय, टेबल टेनिस में दून यूनिवर्सिटी प्रथम, डीएवी पीजी कॉलेज द्वितीय, बास्केटबॉल में यूपीईएस प्रथम, डीएवीई पीजी द्वितीय, पूल (8 बॉल) में डीजीयू प्रथम, वॉलीबॉल में एसजीआरआर प्रथम, डॉल्फिन द्वितीय स्थान पर रहे। मेनफेस्ट में बिग क्विज, बिज नेक्स्ट, डेविल्स एडवोकेट, इनवेस्ट्रिक्स, और वाद विवाद जैसी प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें देशभर के प्रतिभागियों ने अपने व्यावसायिक ज्ञान, तर्कशक्ति और विश्लेषणात्मक सोच का को सामने रखा।

इस दौरान फैशन शो, ग्रुप डांस परफॉर्मेंस हुई। साथ ही शानदार ग्लैम वॉक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आठ टीमों ने अपनी ग्लैमरस परफॉर्मेंस से रैम्प पर रंग बिखेर दिए।

बॉलीवुड अभिनेत्री और डीजे कलाकार उदिता गोस्वामी के मंच पर आते ही छात्र उत्साह से भर गए। उदिता ने भी अपनी धमाकेदार डीजे नाइट से सभी को झुमा दिया। इस दौरान उन्होंने गरज बरस और इंतजार को जब डीजे पर बजाया तो अलग ही माहौल बन गया।

महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. रंजीत सिन्हा उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने छात्रों से बातचीत भी की, उन्हें अपने अनुभवों से प्रेरित किया और उनके हुनर और ऊर्जा की खुले दिल से सराहना की। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुल 8 लाख रुपये के पुरस्कार वितरित किए गए।

बॉलीवुड अभिनेत्री उदिता गोस्वामी ने होमटाउन आकर खुशी जताई। उन्होंने बोला कि मेरा जन्म देहरादून में ही हुआ है। इसलिए यहां आकर अलग सा एहसास महसूस कर रही हूं। यहां कॉलेज में डीजे नाइट के दौरान छात्रों ने जो प्यार दिया, वो यादगार रहेगा। साथ ही डीबीएस ग्लोबल यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ने बहुत प्यारा स्वागत किया।

विदेशी घुसपैठियों पर सीएम धामी का सख्त एक्शन फर्जी दस्तावेज बनाने वालों पर भी गिरेगी गाज

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस विभाग को राज्य में गैर कानूनी तौर पर फर्जी प्रमाण पत्रों (फर्जी आधार कार्ड आदि) के आधार पर रह रहे विदेशी घुसपैठिये के खिलाफ प्रशासन के साथ मिलकर एक व्यापक ड्राइव चलाकर तत्काल कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ऐसे घुसपैठियों को फर्जी प्रमाण पत्र बनाने में सहायता करने वाले लोगों के विरूद्ध भी कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम धामी ने ड्रग्स माफिया के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की हिदायत देते हुए पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट किया कि राज्यवासियों का भरोसा बनाए रखना हमारी शीर्ष प्राथमिकता हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि उत्तराखण्ड पुलिस को आम जनमानस के साथ मित्रवत व्यवहार बनाए रखते हुए अपराधियों में भय का प्रकोप भी बनाए रखना हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और दुनियाभर में उत्तराखण्ड की पहचान शान्तिपूर्ण राज्य की हैं लेकिन पुलिस प्रशासन को सर्तक रहना होगा कि अपराधिक तत्व इसे अपनी सुरक्षित पनाहगाह ना समझे तथा राज्य की शान्तिपूर्ण छवि का दुरूपयोग ना कर पाए। सीएम ने निर्देश दिए हैं कि पुलिस को अपनी कार्य संस्कृति में जरूरी बदलाव करते हुए जनता से संवाद बनाना होगा। उन्होंने सभी एसएसपी व एसपी को थानों में जनसुनवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि आम आदमी को तत्काल न्याय मिल सके।

राज्य स्तरीय पुलिस संगोष्ठी में सीएम ने पुलिस को आम जनमानस के साथ मित्रवत व्यवहार रखते हुए अपराधियों में भय पैदा करने की स्पष्ट नसीहत दी। उन्होंने ड्रग्स माफिया, साइबर क्राइम, और जमीनों से जुड़ी अवैध गतिविधियों पर सख्त रवैया अपनाने की बात कही।

नैनीताल के कैंची धाम में पर्यटन सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने 10 दिन के भीतर हैलीपेड निर्माण का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं 10 दिन बाद इस हैलीपेड से कैंची धाम पहुंचेंगे।

चारधाम यात्रा और नैनीताल में पर्यटन को देखते हुए ट्रैफिक और पार्किंग की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी सीएम धामी ने दिए। उन्होंने सभी प्रमुख मार्गो पर सूचना डिस्प्ले बोर्ड व एसएमएस अलर्ट जैसी तकनीकी सुविधाएं विकसित करने की बात कही।

बैठक में गृह सचिव शैलेश बगौली, डीजीपी दीपम सेठ समेत राज्यभर के सभी जिलों के एसएसपी और एसपी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड को फायर सेफ्टी के क्षेत्र में बड़ी सौगात, 5 नए फायर स्टेशन और वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग सेंटर की घोषणा

देहरादून। उत्तराखण्ड की अग्निशमन सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बड़ा ऐलान किया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर देहरादून के पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ''भीमताल, द्वाराहाट, गौचर, पुरोला और सहस्त्रधारा में नए फायर स्टेशन'' खोलने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने उत्तराखण्ड में ''फायर सर्विस का एक विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र'' स्थापित किए जाने की भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर तृतीय ऑल इंडिया फायर सर्विस गेम्स में पदक जीतने वाले 7 और गृह मंत्रालय द्वारा डीजीएफएस डिस्क मेडल से सम्मानित 2 अग्निशमन कर्मियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उत्तराखण्ड फायर सर्विस में सम्मिलित ''20 नए अग्निशमन वाहनों'' को मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों का उपयोग राज्यभर में जन-जागरूकता और त्वरित अग्नि-नियंत्रण सेवाओं के लिए किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड अग्निशमन एवं आपात सेवा के वीर कर्मियों ने राज्य गठन के बाद से अब तक ''53,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों'' को आग से बचाया है। इसके अलावा ''27,000 से अधिक लोगों और करीब 7,000 पशुओं'' का जीवन भी सुरक्षित किया है।

प्रयागराज महाकुंभ में ड्यूटी निभाने वाले सभी उत्तराखण्ड अग्निशमन कर्मियों को ''रूपये 10,000 की प्रोत्साहन राशि'' देने की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की।

राज्य में अग्निशमन सेवाओं के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए केन्द्र सरकार ने ''71 करोड़ रुपये'' की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जा रहे हैं और ''18 नए फायर स्टेशनों का निर्माण'' भी चल रहा है।

गैरसैंण में फायर स्टेशन भवन और 78 से अधिक आवासों का निर्माण जारी है। हरिद्वार जिले के बहादराबाद में भी नया फायर स्टेशन स्वीकृत किया गया है। सरकार राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों में फायर स्टेशनों की जरूरतों का आकलन कर रही है। मुख्यमंत्री ने आगामी ''चारधाम यात्रा'' के दौरान अग्निशमन विभाग की भूमिका को भी अहम बताया और कहा कि सेवा सप्ताह के तहत जन-जागरूकता के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम सराहनीय हैं।

इस अवसर पर मेयर सौरभ थपलियाल, सचिव गृह शैलेश बगौली, डीजीपी दीपम सेठ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

अब बिना सर्जरी के भी हो सकेगा पैरों में ब्लॉकेज का इलाज

एम्स ऋषिकेश। पैरों में रक्त का प्रवाह कम होने पर अब फीमोरल धमनी (जांघ की सबसे बड़ी रक्त वाहिका) में ब्लॉकेज की समस्या का एथेरेक्टॉमी तकनीक से इलाज किया जा सकेगा। एम्स ऋषिकेश के रेडियोलॉजी विभाग ने हाल ही में इस प्रक्रिया को सफलता पूर्वक संपन्न कर एक नई उपलब्धि हासिल की है। मेडिकल साईंस की यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें बाईपास सर्जरी करने से बचा जा सकता है और साथ ही रक्त वाहिका में स्टंट डालने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती है। इस प्रक्रिया से इलाज करने वाला एम्स ऋषिकेश देश के नव स्थापित एम्स संस्थानों में पहला एम्स है।

देश में संवहनी स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश ने अपनी पहली सुपरफिशियल फेमोरल आर्टरी (एसएफए) एथेरेक्टोमी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। संस्थान के डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशन रेडियोलॉजी विभाग (डीएसए लैब) ने अप्रैल के पहले सप्ताह में देहरादून निवासी एक 68 वर्षीय रोगी का इस विधि से सफल इलाज कर विशेष उपलब्धि हासिल की है। रोगी के पैरों की नसों में ब्लॉकेज के कारण उसे चलने-फिरने में दर्द के साथ दिक्कत थी और उसके पैरों का रंग भी काला पड़ गया था। बतादें कि 'फीमोरल धमनी एथेरेक्टोमी' इलाज की एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जांघ की सबसे बड़ी धमनी (फीमोरल धमनी) से प्लाक को हटाया जाता है। यह आमतौर पर तब किया जाता है जब एथेरोस्क्लेरोसिस के कारण धमनी में रुकावट हो जाती है और पैरों में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंजुम बताती हैं कि यह प्रक्रिया परिधीय धमनी रोग से पीड़ित रोगियों के लिए विशेष फायदेमंद है। इससे उनके इलाज में अब आसानी हो सकेगी। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर और इस प्रक्रिया के ऑपरेटिंग विशेषज्ञ डॉ. उदित चौहान ने बताया कि 'एसएफए एथेरेक्टोमी' एक न्यूनतम इनवेसिव एंडोवास्कुलर तकनीक है जिसे सुपरफिशियल फेमोरल आर्टरी से एथेरोस्क्लेरोटिक प्लेक को हटाने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया से रोगी के पैरों में रक्त का प्रवाह बेहतर हो जाता है और दर्द और अन्य लक्षणों में भी जल्द सुधार होता है। डॉ. पंकज शर्मा और डॉ. उदित ने सलाह दी है कि पैरों में ब्लॉकेज की समस्या वाले रोगी अस्पताल के पांचवें तल पर स्थित डीएसए लैब में आकर इलाज के बारे में उनसे परामर्श ले सकते हैं।

हमारे चिकित्सकों द्वारा इस प्रक्रिया का सफल निष्पादन करना, उन्नत चिकित्सा तकनीकों को अपनाने और रोगियों को अत्याधुनिक उपचार प्रदान करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एसएफए एथेरेक्टॉमी की शुरुआत करके एम्स ऋषिकेश ने, न केवल अपनी इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी क्षमताओं को बढ़ाया है अपितु अन्य नए एम्स संस्थानों के सम्मुख एक मिसाल भी कायम की है। चिकित्सा देखभाल में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से रोगी परिणामों में सुधार के लिए यह उपलब्धि एम्स ऋषिकेश की प्रतिबद्धता साबित करती है।

एआई के दौर में भी मनुष्यता को बनाए रखना जरूरी : डीजी सूचना

देहरादून। तकनीक जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से हमें अपनी मानवीय संवेदनाओं को भी बनाए रखना होगा। एआई सहायक हो सकता है, विकल्प नहीं। यह विचार महानिदेशक सूचना एवं एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने ''राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस'' के अवसर पर व्यक्त किए।

पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया, देहरादून चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यशाला का विषय था ''रिसपॉन्सिबल यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस : रोल ऑफ पब्लिक रिलेशन''।

कार्यक्रम का उद्घाटन महानिदेशक बंशीधर तिवारी, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, बीकेटीसी के सीईओ विजय थपलियाल, और चैप्टर अध्यक्ष रवि विजारनिया ने दीप प्रज्वलन कर संयुक्त रूप से किया।

मुख्य वक्ता बंशीधर तिवारी ने कहा कि एआई समय बचाता है, लेकिन उसका उपयोग विवेकपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए। 'एआई से कंटेंट बन सकता है, पर भावनाएं नहीं।' उन्होंने सोशल मीडिया के प्रति भी जिम्मेदार रवैया अपनाने पर जोर दिया।

संयुक्त निदेशक डॉ. नितिन उपाध्याय ने कहा कि तकनीक नई संभावनाएं लाती है, लेकिन साथ ही नई जिम्मेदारियां भी। एआई को सहयोगी की भूमिका तक सीमित रखना होगा।

न्यूज़-18 के संपादक अनुपम त्रिवेदी ने कहा कि विज्ञान के साथ समस्याएं भी

आती हैं। फेक न्यूज़ एक गंभीर चुनौती बन चुकी है, जिसे रोकने के लिए जनजागरूकता बेहद जरूरी है।

बीकेटीसी के सीईओ विजय थपलियाल ने कहा कि 'एआई से बहुत कुछ मिल सकता है, लेकिन भावनाएं नहीं। इमोशन केवल इंसान में होता है।'

तकनीकी विषय विशेषज्ञ आकाश शर्मा ने प्रेजेंटेशन में बताया कि जनसंपर्क में एआई कैसे कंटेंट निर्माण, सोशल मीडिया प्रबंधन, फीडबैक विश्लेषण, और मीडिया मॉनिटरिंग को और प्रभावी बना सकता है।

उन्होंने चैटजीपीटी, केनवा एआई, मेंनटीमेटर, स्लाइड एआई जैसे एआई टूल्स की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर चैप्टर अध्यक्ष रवि बिजारनिया, अनिल वर्मा अनिल सती, सुरेश चन्द्र भट्ट, सुधाकर भट्ट, वैभव गोयल, अजय डबराल, दीपक शर्मा, ज्योति नेगी, शिवांगी सहित पीआरएसआई के कई सदस्य उपस्थित रहे।